नवदुनिया 07
भोपाल, गुरुवार 15 सितंबर 2016

सांची विवि में पढ़ाया जाएगा तंत्र शास्त्र, मिलेगी डिग्री

कार्य परिषद की बैठक में हुआ निर्णय

भोपाल। नवदुनिया न्यूज

सांची विश्वविद्यालय अगले शिक्षण सत्र से तंत्र शास्त्र पर पाठ्यक्रम शुरू करेगा। इसके लिए एक विभाग बनाया जाएगा। बुधवार को हुई विवि की कार्य परिषद बैठक में यह निर्णय लिया गया। कार्यपरिषद में प्राचीन भारतीय विज्ञान, भारतीय इतिहास, संस्कृति एवं पुरातत्व शिक्षा केंद्र तथा नीति और समन्वय अध्ययन के लिए भी एक केंद्र स्थापित किए जाने पर सहमति बनी है। बैठक में विवि के कुलपति यज्ञनेश्वर शास्त्री, भारतीय दर्शन अनुसंधान परिषद के अध्यक्ष सिद्धेश्वर भट्ट, प्रोफेसर सागरमल जैन, कुलसचिव राजेश गुप्ता सहित अन्य मौजूद थे।

परिषद की बैठक में तय हुआ है कि विवि आधुनिक तरीके से भारतीय दर्शन को दोबारा संकलित करने की परियोजना शुरू करेगा। इस परियोजना

भारतीय दर्शन को दोबारा संकलित करने का प्रयास

के लिए दर्शन पर आधारित कार्यशालाएं होंगी। इनमें विशेष रुचि रखने वालों की एक समिति बनाई जाएगी। यह समिति दर्शन को दोबारा संकलित करेगी। विवि के कुलपति यज्ञनेश्वर शास्त्री की देखरेख में यह समिति काम करेगी। इस परियोजना के लिए विवि भारतीय दर्शन अनुसंधान परिषद (ICPR) भारतीय इतिहास अनुसंधान परिषद (ICHR) व यूजीसी को प्रस्ताव भेजेगा।

मूर्तिकला पर भी पाठ्यक्रम

विवि अगले शिक्षण सत्र से भारतीय मूर्तिकला पर एक वर्षीय सर्टिफिकेट पाठ्यक्रम शुरू करेगा। संस्कृत भाषा के लेखन एवं स्पष्ट उधारण पर सर्टिफिकेट, डिप्लोमा पाठ्यक्रम भी शुरू होगा।

patrika.com
पत्रिका . भोपाल . गुरुवार . 15.09.2016

भारतीय दर्शन का दोबारा संकलन

भोपाल . सांची विश्वविद्यालय आधुनिक परिप्रेक्ष्य में भारतीय दर्शन को दोबारा संकलित करने की परियोजना शुरू करेगा। इसी प्रकार तंत्र शास्त्र पर पाठ्यक्रम भी शुरू किया जाएगा। यह निर्णय सांची बौद्ध भारतीय ज्ञान अध्ययन विवि की कार्यपरिषद की बैठक में लिया गया। बैठक में तय किया गया कि इस परियोजना के कार्यान्वयन के लिए दर्शन पर आधारित कार्यशालाएं आयोजित की जाएगी।

दैनिक भास्कर
भोपाल, बुधवार 7 सितंबर, 2016,

युवाओं ने 12 मिनट में लगाई 1800 मीटर दौड़

सांची विश्वविद्यालय में सहायक प्राध्यापक पदों के लिए हुए साक्षात्कार

भास्कर संवाददाता | रायसेन

सांची बौद्ध भारतीय ज्ञान अध्ययन विश्वविद्यालय में अब प्राध्यापक बनने के लिए युवाओं को दौड़ भी लगाना पड़ रही है। मंगलवार को विश्वविद्यालय में भारतीय चित्रकला, एशियाई चित्रकला के तहत सहायक प्राध्यापक, सहायक ग्रंथपाल, सहायक निर्देशक, शारीरिक शिक्षा के लिए साक्षात्कार आयोजित किए गए। यूजीसी मापदंड के अनुसार सहायक निर्देशक, शारीरिक शिक्षा के आवेदकों की दौड़ आयोजित करवाई

सांची बौद्ध विश्वविद्यालय में अध्यापक बनने के लिए दौड़ लगाते युवा

गई। यूजीसी मापदंड के अनुसार 30 वर्ष से कम उम्र के पुरुषों को 12 मिनट में 1800 मीटर दौड़ पूरी करना थी जबकि महिलाओं को 12 मिनट में 1000 मीटर दौड़ना था। इसी प्रकार 30 से अधिक उम्र के पुरुष आवेदकों को 12 मिनट में 1500 मीटर और महिलाओं को 12 मिनट में 800 मीटर की दूरी पूरी करना थी। साक्षात्कार के लिए उपस्थित सभी आवदेकों ने तय समय में दौड़ पूरी कर ली। शारीरिक क्षमता जांच के बाद इंटरव्यू बोर्ड द्वारा आवेदकों के साक्षात्कार लिए गए।